



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—प्रकाशन (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

० 175] नई बिल्डिंग, शनिवार, जुलाई 21, 1973/आषाढ़ 30, 1895
No. 175] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 21, 1973/ASADHA 30, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्याएँ दी जाती हैं जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

CENTRAL EXCISES

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st July 1973

G.S.R. 356(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 50/62—Central Excises, dated the 24th April, 1962, the Central Government hereby exempts woollen fabrics falling under Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (i of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise lievable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

Serial No.	Description	Duty
(1)	(2)	(3)
1.	Unprocessed fabrics	Nil
2.	Processed fabrics—	
	A. if woven by a factory (other than a composite mill) and	

(1)	(2)	(3)
processed by an independent processor		
(i) processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%	2·5% ad valorem.	
(ii) processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%—		
(a) blankets other than those specified against item (iii) below,	2·5% ad valorem.	
(b) fabrics, other than blankets.	2% ad valorem.	
(iii) processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from—	2% ad valorem.	
(a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or		
(b) 90% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste, or		
(c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.		
(iv) processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn—		
(a) blankets	2% ad valorem.	
(b) all others	1·5% ad valorem.	
(v) processed woollen fabrics, not elsewhere specified	4% ad valorem.	
B. Others.		6% ad valorem.

EXPLANATION : For the purpose of this notification,—

- (i) "Independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of woollen fabrics with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cloth;
- (ii) "composite mill" means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts or weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (iii) "processed" means all processes which are ordinarily carried on with the aid of power or steam excluding the process of calendering with plain rollers;
- (iv) the grade of indigenous wool shall be as per IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

[No. 149/73]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

अधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1973

संग्रह कानूनी नियम 356 (प्र).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 50/62 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 प्रभ्रैल 1962 को अधिकांत करने हुए, के केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का¹) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 21 के अन्तर्गत आने वाले और इसमें उपाध्य सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट ऊनी कपड़ों को उत पर उत्प्रहणीय उत्पाद-शुल्क से, जितना इस सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क प्रधिक है, छूट देती है।

सारणी

कम संख्या	वर्गीन	शुल्क
(1)	(2)	(3)
1	अप्रसंस्कृत कपड़े	कुछ [नहीं]
2	प्रसंस्कृत कपड़े— (क) यदि (संयुक्त मिल से भिन्न) कारखाने द्वारा बुना गया हो और स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता द्वारा प्रसंस्कृत किया गया हो— (i) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत वर्स्टेड पद्धति से काता गया सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत में कम नहीं हो। (ii) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (वर्स्टेड या रही सूत में भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो— (क) नीचे की मद (iii) के सामने विनिर्दिष्ट कम्बलों से भिन्न कम्बल (ख) कम्बलों से भिन्न कपड़े	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार ।
		2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
		2 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(iii) अटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्गत ये ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक दृष्टि से बैरक कम्बलों और अस्पताली कम्बलों से जात हैं और जो	2 प्रतिशत मूल्यानुसार

निम्नलिखित से कामे गए ऊनी
सूत में बनाए गए हैं—

- (क) 100 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी
ऊन जो 40 एम से बढ़िया नहीं
है, या
- (ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी
ऊन जो अधिक से अधिक 10
प्रतिशत प्लाट रेयन या नायलन
या किसी अन्य तन्तु या तन्तु
चिथड़ों से समिक्षित 40 एम से
बढ़िया नहीं है, अथवा
- (ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के विदेशी
ऊन जो रद्दी ऊन से और अधिक से
अधिक 10 प्रतिशत नायलन
से समिक्षित 40 एम से बढ़िया
नहीं है और कम्बलों की कुल
ऊनी अन्तर्वस्तु 80 प्रतिशत से
कम नहीं हो।
- (iv) प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से
कम 90 प्रतिशत रद्दी सूत हो—

 - (क) कम्बल 2 प्रतिशत मूल्यानुसार।
 - (ख) सभी अन्य 1.5 प्रतिशत मूल्यानुसार।

- (v) वे प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिन्हे किसी
दूसरे स्थान पर विनिर्दिष्ट न 4 प्रतिशत मूल्यानुसार।
किया गया हो।
- (ख) अन्य 6 प्रतिशत मूल्यानुसार।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (i) “स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता” से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से ऊनी
कपड़ों के प्रसंस्करण में पूरी तरह से लगा हुआ है और जिसका सूत को कातने
या कपड़े को बुनने वाले किसी कारखाने में कोई भी साम्पत्तिक हित न हो।
- (ii) “संयुक्त मिल” से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार
के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो
और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलाओं में से कम से कम दो में साम-
पत्तिक हित हो;

- (iii) "प्रसंस्कृत" मे अभिप्रेत है ऐसी सभी प्रक्रियाएँ जो सादा रोलरों से बाने की प्रक्रिया से विश्वास्युत या भाष की महायता से सामान्यतः की जाती हैं।
- (iv) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक संस्था के मा० मा० 5910—1970 के अनुसार होगी।

[149/73]

G.S.R. 357(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 116/62-Central Excises dated the 13th June, 1962, the Central Government hereby exempts processed woollen fabrics, woven by a factory (other than a composite mill) and processed by an independent processor and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

Serial No.	Description	Duty
(1)	(2)	(3)
1.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%.	2·5%, ad valorem.
2.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%— (i) blankets other than those specified against Serial Number 3 below. (ii) fabrics other than blankets	2·5%, ad valorem. 2·5%, ad valorem.
3.	Processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from— (a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or (b) 90% indigenous wool of the grade with not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste, or (c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.	1%, ad valorem.
4.	Processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn— (i) blankets. (ii) all others.	2%, ad valorem. 1·5%, ad valorem.
5.	Processed woollen fabrics, not elsewhere specified.	4%, ad valorem.

EXPLANATION : For the purpose of this notification,—

- (i) "independent processor" means a manufacturer who is engaged exclusively in the processing of woollen fabrics with the aid of power and who has no proprietary interest in any factory engaged in the spinning of yarn or weaving of cloth;

- (ii) "composite mill" means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts or weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (iii) the grade of indigenous wool shall be as per
IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

[No. 150 '73]

सांकेतिक नियम 357 (भा)—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विषेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 की उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 116/62 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 13 जून, 1962 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उन प्रसंस्कृत ऊनी कपड़ों को, जो (संयुक्त मिल से भिन्न) कारखाने द्वारा बने गये हों और न्यूटंव प्रसंस्कृत द्वारा प्रसंस्कृत किये गये हों और जो उससे उपायद्रू सारणी के संबंध 2 में विनिर्दिष्ट हैं, इन पर उद्यग्रहणीय शुल्क के उत्तरे भाग से छट देती है जितना इस सारणी के संबंध (3) में की तस्थिती प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

सारणी

क्रम संख्या	वर्णन	शुल्क
(1)	(2)	(3)
1	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत वस्टेड पश्चिम से काता गया ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो।	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
2	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (वस्टेड या रद्दी सूत से भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(i) नीचे की क्रम संख्या 3 के सामने विनिर्दिष्ट कम्बलों से भिन्न कम्बल	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(ii) कम्बलों से भिन्न कपड़े	2 प्रतिशत मूल्यानुसार
3	घटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्गत ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक दृष्टि से दौरक कम्बलों और अस्पताली कम्बलों से ज्ञात हैं और जो निम्नलिखित से काते गए ऊनी सूत से बनाए गए हैं,— (क) 100 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो 40 एस में बढ़िया नहीं है, या	1 प्रतिशत मूल्यानुसार

(1)

(2)

(3)

(ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो अधिक मे अधिक 10 प्रतिशत स्थान रेयन या नायलन या किसी अन्य तन्तु या तन्तु चिथड़ा से समिक्षित 40 एस से बढ़िया नहीं है, अथवा

(ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो रद्दी ऊन से अधिक 10 प्रतिशत नायलन से समिक्षित 40 एस से बढ़िया नहीं है और कम्बलों की कुल ऊनी अन्तर्वस्तु 80 प्रतिशत मे कम नहीं हो।

4 प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम मे कम 90 प्रतिशत रद्दी सूत हो—

(i) कम्बल

(ii) सभी अन्य

2 प्रतिशत मूल्यानुसार

1.5 प्रतिशत

मूल्यानुसार

5 वे प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े (जिन्हें किसी दूसरे स्थान पर विनिर्दिष्ट न किया गया हो) 4 प्रतिशत माल्यानुसार

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (i) "स्वतंत्र प्रसंस्कर्ता" मे अभिप्राप्त है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से ऊनी कपड़ों के प्रसंस्करण में पूरी तरह से लगा हुआ हो और जिसका सूत को कातने या कपड़े को बुनने वाले किसी कारब्बाने में कोई भी साम्पत्तिक हित न हो;
- (ii) "संयुक्त मिल" से अभिप्रेत है वह विनिर्माता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलापों में से कम से कम दो में साम्पत्तिक हित हो;
- (iii) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक स्थान के भाठा मा 5910—1970 के अनुसार होगी।

[150 / 73]

G S.R. 358(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 156/62—Central Excises, dated the 6th August, 1962, the Central Government hereby fixes for processed woollen fabrics produced by a factory other than a composite mill and specified in column (2) of the Table hereto annexed and chargeable with duty *ad valorem* under Item No. 21 of the First Schedule to the said Act, the tariff values specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :

Provided that when any woollen fabrics specified in the said column (2) have depreciated in the opinion of the Collector to the extent of more than twenty per cent. of their value, the tariff values specified in the corresponding entry in the said column (3) shall not be applicable to such woollen fabrics.

THE TABLE

Serial No.	Description	Tariff value
(1)	(2)	(3)
		Rs. per kilogram
1.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn spun on worsted system, the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%	73.00
2.	Processed woollen fabrics containing not less than 60% of woollen yarn (other than worsted or shoddy yarn), the overall wool contents of the fabrics being not less than 54%— (i) blankets other than those specified against Serial Number 3 below. (ii) fabrics, other than blankets.	25.00 45.00
3.	Processed woollen blankets of inferior quality including woollen blankets commercially known as barrack blankets and hospital blankets, made out of woollen yarn spun from— (a) 100% indigenous wool of the grade not finer than 40s, or (b) 90% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with a maximum of 10% viscose rayon or nylon or any other fibre or fibre waste, or (c) 45% indigenous wool of the grade not finer than 40s blended with shoddy wool and a maximum of 10% nylon, the total wool contents of the blankets being not less than 80%.	18.00
4.	Processed woollen fabrics containing not less than 90% of shoddy yarn— (i) blankets (ii) all others	20.00 36.00

EXPLANATION :— For the purposes of this notification,—

- (1) 'composite mill' means a manufacturer who is engaged in the spinning of woollen yarn, all sorts or weaving or processing of woollen fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of such manufacturing activities;
- (2) 'processed' means all processes which are ordinarily carried on with the aid of power of steam excluding the process of calendering with plain rollers;
- (3) 'woollen fabrics' means woollen fabrics of every description except tufted woollen fabrics;
- (4) the 'grade' of indigenous wool shall be as per IS : 5910-1970 of the Indian Standards Institution.

[No. 151/73]

S. R. NARAYANAN, Under Secy.

सां० का० नि० 358(ए).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 156/62—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 6 प्रगत्स, 1962 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार उस प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े के लिए, जो संग्रह भिन्न से भिन्न कारखाने द्वारा उत्पादित किया गया है और इससे उपावद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिष्ट है और जिस पर उक्त अधिनियम की प्रथम श्रान्ति की गयी है और इससे उपावद्ध सारणी के स्तंभ (3) में विनिष्ट है और जिस पर उक्त अधिनियम की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिष्ट टैरिफ मूल्य नियत करती है:

परन्तु जब उक्त स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट किसी ऊनी कपड़े का, कलक्टर की राय में, उसके मूल्य में बीत प्रतिशत से अधिक मात्रा तक अवकाय हो गया हो तब उक्त स्तंभ (3) में की तत्थानी प्रविलिंग में विनिर्दिष्ट टैरिफ मूल्य ऐसे ऊनी कपड़ों को लागू नहीं होंगे।

सारणी

क्र०सं०	वर्णन	टैरिफ मूल्य
(1)	(2)	(3)
द० प्रति किलोग्राम		
1	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिसमें कम से कम 60 प्रतिशत वस्टेंड पद्धति से काता गया सूत हो और जिसमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वर्त्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो	73.00
2	प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत (वस्टेंड या रद्दी सूत से भिन्न) ऊनी सूत हो और जिनमें कपड़े की कुल ऊनी अन्तर्वर्त्तु 54 प्रतिशत से कम नहीं हो—	
	(i) नीचे की क्रम संख्या 3 के सामने विनिर्दिष्ट कम्बल तों से भिन्न कम्बल	25.00
	(ii) कम्बलों से भिन्न कपड़े	45.00
3	घटिया क्वालिटी के प्रसंस्कृत ऊनी कम्बल जिनके अन्तर्वर्त्ते ऊनी कम्बल भी हैं जो व्यापारिक वूटिं से बैरक कम्बलों और अस्पतानी कम्बलों से जात हैं और जो निम्नलिखित से काते गए ऊनी सूत से बनाए गए हैं—	18.00
	(क) 100 प्रतिशत उक्त श्रेणी के देशी ऊन जो 40 एस से बढ़िया नहीं है, या	
	(ख) 90 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो अधिक से अधिक 10 प्रतिशत म्यान रेपन या नायलन या किसी अन्य तन्तु या तन्तु चिथड़ा से समिश्रित 40 एस से बढ़िया नहीं है। अथवा	
	(ग) 45 प्रतिशत उस श्रेणी के देशी ऊन जो रद्दी ऊन से और अधिक से अधिक 10 प्रतिशत नायलन से समिश्रित 40 एस से बढ़िया नहीं है और कम्बलों की कुल ऊनी अन्तर्वर्त्तु 80 प्रतिशत से कम नहीं हो।	

(1)

(2)

(3)

रु० प्रति किलोग्राम

4 प्रसंस्कृत ऊनी कपड़े जिनमें कम से कम 90 प्रतिशत, रद्दी सूत हो—

(क) कम्बल	.	.	.	20. 00
(ख) सभी अन्य	.	.	.	36. 00

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

- (1) “संयुक्त मिल” से अभिप्रेत है वह विनिमयिता जो विद्युत की सहायता से सभी प्रकार के ऊनी सूत को कातने या ऊनी कपड़ों को बुनने या उनके प्रसंस्करण में लगा हो और जिसका इस प्रकार के विनिर्माण क्रियाकलापों में कम से कम दो में साम्यात्तिक हित हो।
- (2) “प्रसंस्कृत” से अभिप्रेत है सभी ऐसी प्रक्रियाएं जो सादा रोलरों से दबाने की प्रक्रिया से भिन्न विद्युत या भाव की सहायता से सामान्यतः की जाती है।
- (3) “ऊनी कपड़ों” से अभिप्रेत है गुच्छेदार ऊनी कपड़ों के सिवाय हर वर्णन के ऊनी कपड़े।
- (4) देशी ऊन की श्रेणी भारतीय मानक संस्था के भा० मा० 5910—1970 के अनुसार होगा।

[151/73]

एस० आर० नारायणन, अवर सचिव, ।